रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 46 ● अंक – 18 ● कानपुर 16 से 30 सितम्बर 2024 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

इन्सटीट्यूट आफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथी कानपुर

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक केन्द्र के नाम से जाना जायेगा

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 इदरीसी ने किया द्वीप जलाकर उदघाटन

दो दशक बाद कानपुर को मिली पुनः इलेक्ट्रो होम्योपैथी की पाठशाला

कानपुर 12 सितम्बर, किसी समय में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का बड़ा बोल–बाला कानपुर में 90 के दशक में हुआ करता था जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी के छात्र सफ़ेद एप्रन में माल रोड से गुज़रा करते थे तो परेड से लेकर निशात सिनेमा तक लोग एक टक इन छात्र छात्राओं को रुक कर देख लिया करते थे उस समय पास ही में कानपुर होम्योपैथिक मेडिकल कालेज स्थनीय जी0 एन0 के0 इन्टर कालेज में संचालित हुआ करता था जो बड़े चौराहे से कचहरी जाने वाली रोड पर है, जबकि सी0 एम0 ई0 एच0 मेडिकल कालेज के नाम से इलेक्ट्रो होम्योपैथी का कालेज मेन माल रोड पर स्थित था दोनो कालेजों की टाइमिंग एक होने के कारण अक्सर माल रोड पर सफेद एप्रन ही एप्रन दिखाई पड़ते थे एक समय ऐसा भी आया कि सी0 एम0 ई0 एच0 मेडिकल कालेज ने अपनी एक शाखा सी0 एम0 ई0 एच0 मेडिकल कालेज के पास ही इन्सटीटबमट ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के नाम से खोल दी अब तो छात्राओं की संख्या और बढ़ गयी कानपुर के लोगों का रुझान शुरु से ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रति रहा है, अभिभावकों का भी रुझान होम्योपैथी की अपेक्षा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये कुछ ज़्यादा ही था।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी, मैटी जी को माल्यार्पण करते हुये – छाया गज़ट

कहावत है कि समय एक जैसा नहीं रहता वक्त ने करवट ली और किन्हीं अपरिहाय कारणों से यह दोनो कालेज बन्द हो गये, समय ने 20 साल बाद पुनः अपनी करवट बदली और 12 सितम्बर , 2024 को इलेक्ट्रो होम्योपैथिक केन्द्र के नाम से पुनः इलेक्ट्रो होम्योपैथी को कानपुर में स्थापित होने का गौरव प्राप्त हुआ।

अब यह संस्थान शिक्षण केन्द्र ही नहीं अपितु चिकित्सा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी अपनी उपस्थिति गज़बूती के साथ स्थापित करेगा।

मथुरा का सादाबाद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक कालेज ने भी अपना नाम बदल दिया अब यह डा0 आर0 सी0 उपाध्याय इन्सटीट्यूट ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथी होगा

सादाबाद– सलेमपुर रोड पर स्थित श्री मोहन लाल आदर्श इन्टरमीडियट कालेज में संचालित सादाबाद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल कालेज को बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा दिनांक 24 मार्च 1982 को बोर्ड द्वारा संचालित पाठयक्रमों को संचालित करने की अनुमति प्रदान की थी जो वर्ष 2007 तक निरन्तर जारी रही, उ0प्र0 शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग–4 द्वारा केन्द्र सरकार के एक आदेश की व्याख्या गलत होने के कारण पूरे प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा में व्यवधान उत्पन्न हो गया था जिसके कारण प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा बाधित हो गयी थी, इस आदेश की गलत व्याख्या स्वीकारने के कारण माननीय उच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2011 में एक आदेश जारी किया गया जिसका अनुपालन भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के आदेश दिनांक 21 जून, 2011 के रुप में हुआ, राज्य सरकार ने जिस आदेश का अनुवाद का यथार्थ रुप में नहीं किया था वह आदेश भारत सरकार का था, इस आदेश के जारी होने के पश्चात उ0प्र0 शासन चिकित्सा अनुभाग–6 द्वारा दिनांक 04 जनवरी, 2012 को जारी किया, अब इलेक्ट्रो होम्योपैथी पहले से कहीं अधिक सुदृण रुप में आ चुकी है, और वर्तमान में इसे और अधि कार्य क्षेत्र प्राप्त हो गये हैं जिसमें से एक अनुसंधान का भ क्षेत्र आता है, इस आदेश के जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी के कालेज/संस्थान थे उन्हें एक संजीवनी मिली है और वे पुनः अपने असतित्व में आने का पूरा प्रयास कर रही हैं इन्हीं में से एक नाम सादाबाद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल कालेज का है जो अब अपने नये क्लैवर के रुप में डा0 आर0 सी0 उपाध्याय इन्सटीटबूट ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के नाम से सादाबाद में पुनः स्थापित हो गया है इस इन्सटीटबूट का उदघाटन 14 सितम्बर, 2024 को बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी द्वारा किया गया, अब इस इन्सटीटबूट के प्रबंधक डा0 आर0 सी0 उपाध्याय तथा डा0 ममीता शर्मा डायरेक्टर हैं, इन्सटीटबूट के उदघाटन कार्यक्रम के चित्र पेज 3 पर हैं।

नाम बदलने का कुछ तो कारण है

पता नहीं आज कल इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संस्था संचालकों में क्या हो गया है ? जिसको देखो वही अपना नाम बदलने में लग गया है सबसे पहले शुरुआत कानपुर से हुयी, वैसे तो कानपुर को इलेक्ट्रो होम्योपैथी का गढ़ माना जाता है अब तक का इतिहास रहा है कि हर अच्छे काम का श्रीगणेश कानपुर से किया जाता है, अंग्रज़ों से लोहा लेने के लिये आज़ादी की लड़ाई हो या राजनीति के अखाड़े या इन्जीनियरिंग हो या फिर चिकित्सा के क्षेत्र, हर कार्य में सफ़लता अर्जित करनी हो तो प्रारम्भ का रास्ता हमारे कानपुर से ही होकर जाता है, अभी कुछ दिनों पहले की ही बात है 90 के दशक का इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का जाना माना इलेक्ट्रो होम्योपैथिक कालेज जिसे क्रमशः काउण्ट मैटी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल कालेज व इन्सटीट्यूट ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के नामो से जाना जाता था इसके संचालकों ने नाम बदल दिया अब यह इलेक्ट्रो होम्योपैथिक केन्द्र के नाम से जाना जाता जायेगा।

देख देखी कहें या फिर कुछ और मथुरा में सादाबाद में एस0 ई0 एच0 मेडिकल कालेज जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश का प्रख्यात इलेक्ट्रो होम्योपैथिक का कालेज था उसने भी आव देख न ताव तुरन्त फुरन्त अपने नये नाम का प्रस्ताव बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 को प्रेषित किया, अब चूंकि संचालकगणों की ओर से प्रस्ताव था जिसे बोर्ड ने स्वीकार कर लिया।

वैसे नाम बदलने की प्रथा कोई नई नहीं है आपको याद होगा कि उत्तर प्रदेश में बसपा सरकार के कार्यकाल में अनेक ज़िलों के नामों को बदल दिया गया था, बात यहीं समाप्त हो जाती तो कोई बात नहीं, सपा सरकार जब उत्तर प्रदेश में आयी तो उसने भी कुछ ऐसा ही किया और वर्तमान भजपा सरकार क्यों पीछे रहती उसने भी अपना कर्तव्य निभाया।

नाम बदलना अच्छी बात है परन्तु हमें यह अवश्य देखना होगा कि केवल नाम बदलकर और भी कुछ ज़्यादा करना होगा हमें वह सारे कार्य करने पड़ेंगे जो पूर्व में हो रहे थे अपितु वह कार्य भी करने होंगे जो पूर्व में किन्हीं कारणों से पूर्ण नहीं हुये हमें अपनी इलेक्ट्रो होम्योपैथी को समान रूप से स्थापित करना है तो चिकित्सा के क्षेत्र में अनेक कार्य ऐसे हैं जो आज तक हुये ही नहीं हम तो इसी उधेड़–बुन में फंसे रहे कि अरे समय आने पर सब हो जायेगा।

हमें अपनी सोच और कार्य में परिवर्तन लाना होगा यदि हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी में विकास की बात करें तो इससे हम इनकार नहीं कर सकते हैं कि चिकित्सा पद्धति का विकास नहीं हुआ है, लेकिन जो संतुलित और समन्वित वास्तविक विकास होना चाहिये वह नहीं हो सका है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी की वास्तविकता को देखते हुये इसे चिकित्सा जगत की नई क्रान्ति माना जा रहा है वर्तमान में जो स्थति है वह किसी से छुपी नहीं है, प्रतिस्पर्धा की दौड़ में हमें समय के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा।

नाम बदलने की आवश्यकता क्यों पड़ी ? इससे भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी समाज को भलि–भाँति स्मरण करना चाहिये कि उ0प्र0 में अवमाननावाद संख्या 820/2002 राजेश कुमार श्रीवास्तव बनाम श्री ए0 पी0 वर्मा मुख्य सचिव उ0प्र0 शासन में पारित आदेश दिनांक 28 जनवरी,2004 के अनुपालन में एक सक्रीय संस्था के विरुद्ध अनेकों आदेश पारित हुये जिसके कारण प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी शून्य सी हो गयी, इन आदेशों के आलोक में नामचीन संस्था को बन्द भी कर दिया गया, इन आदेशों का गम्भीरता विभिन्न कोंणों से अध्ययनोपरान्त यह निश्चिय किया गया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक संस्थाओं को कालेज के बजाये इन्सटीट्यूट नामकरण किया जाये जिससे प्राथमिक से लेकर उच्चतर तक की शिक्षा इसमें समाहित हो जाये इसी उद्देश्य से 12 सितम्बर को कानपुर तथा 14 को सादाबाद की संस्था का नामकरण हुआ।

सादाबाद इन्सटीट्यूट ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के उदघाटन कार्यक्रम कैमरे की नज़र में

B.E.H.M. U.P के Chairman Dr. M.H.Idrisi डा0 आर0 सी0 उपाध्याय इन्सटीट्यूट ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक सादाबाद का उदघाटन करते हुये। छाया गज़ट

बायें से दायें क्रमशः डा0 पी0के0राघव अलीगढ़ श्रीएम0के0 मिश्रा कानपुर, डा0 शिव कुमार पाल फिरोजाबाद, डा0 आर0 सी0 उपाध्याय सादाबाद Dr. M.H.Idrisi Lk0. डा0 संजय द्विवेदी कानपुर एवं डा0 राधे श्याम रजक

डा0 आर0 सी0 उपाध्याय इन्सटीट्यूट ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक, सादाबाद का उदघाटन के बाद ग्रुप फोटो

डा0 आर0 सी0 उपाध्याय इन्सटीट्यूट ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक, सादाबाद के उदघाटन के के अवसर पर माइक पर बोलते डा0 नेम सिंह, बगल में मचं पर डा0 राधे श्याम रजक,पीछे की ओर डा0 अलाउद्दीन, डा0 एम0 के0 मिश्रा, डा0 शिव कुमार पाल, डा0 आर0 सी0 उपाध्याय, B.E.H.M. U.P के Chairman Dr. M.H.Idrisi एवं डा0 संजय द्विवेदी।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी एवं मीडिया प्रभारी डा0 शिव कुमार पाल सम्मानित

जनपद आयुर्वेद और स्वास्थ्य सम्मेलन स्थान मेला श्री दाऊजी महाराज धन्वंतरी भवन जनपद हाथरस 14 सितम्बर 2024 को सम्पन हुआ। सर्वप्रथम आए हुए सभी मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों व आगुंतक अतिथियों का स्वागत वैद्य ठाकुर सिंह सोलंकी (बिजनौर) वह सम्मेलन के पदाधिकारी ने बारी–बारी से स्वागत कर मंच पर आसीन किया। मुख्य अतिथि वैद्य निरंजन सिंह त्यागी जी ने द्वीप प्रज्वलित कर धन्वंतरी भगवान के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया तथा वैद्य राम प्रकाश शर्मा व वैद्य सतीश चन्द रस्तगी ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित किया मुख्य अतिथि श्री निरंजन सिंह त्यागी जी आयुर्वेद चिकित्सा की वैधानिकता पर प्रकाश डाला तथा विशिष्ट अतिथि डा0 एम0एच0इदरीसी बोर्ड आफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 लखनऊ के चेयरमैन ने आयुर्वेद व इलेक्ट्रो होम्योपैथिक की वैधानिकता के बारे में भी प्रकाश डाला विशिष्ट अतिथि बृजपाल सिंह आयुर्वेद के उत्थान के बारे में उदबोधन किया। मित्तई आयुर्वेदिक औषधालय के चिकित्सक डा0 वीरेंद्र सिंह ने मेले में आए हुए मरीजों का निःशुल्क उपचार किया डा0 राजेश उपाध्याय ने बवासीर व भगंदर द्वारा छारसूत्र के द्वारा उपचार करने पर प्रकाश डाला निम्न प्रवक्ताओं ने आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति पर विचार विमर्श किया वैद्य मोहन बृजेश रावत, वैद्य अजय कुमार उपाध्याय, वैद्य प्रेम रावत भगवन्तपुर, वैद्य डी0के0 जैन, वैद्य राजेश्वर प्रसाद शर्मा, वैद्य भगवान अग्रवाल, वैद्य लालता प्रसाद, वैद्य भगवान देव, वैद्य आशीष वर्मा, वैद्य राम कुमार शर्मा आदि चिकित्सकों ने भाग लिया सम्मेलन का समापन अध्यक्ष वैद्य रमेश चन्द्र उपाध्याय ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया तथा सम्मेलन के समापन की घोषणा की डा0 राधे श्याम रजक, डा0 डी0के0 महेश्वरी, डा0 विपिन चौहान (कचौरा), डा0 पी0के0 राघव, डा0 संजय द्विवेदी, डा0 मिथलेश कुमार, डा0 एस0के0 पाल, डा0 नैम सिंह, डा0 बहादुर अली, डा0 रवीन्द्र कुमार, डा0 मौहर श्री, डा0 विजेन्द्र पाल शर्मा, डा0 प्रवीण कुमार उपाध्याय, डा0 पवन कुमार उपाध्याय, गौरव शर्मा के साथ क्षेत्रीय आयुर्वेद के चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रम से सम्बंधि और फोटो पेज 4 पर हैं।

बी0 ई0 एच0 एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–14 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।

विशिष्ट अतिथि डा0 एम0 एच0 इदरीसी बोर्ड आफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 लखनऊ के चेयरमैन को भगवान धन्वंतरी की फोटो देकर सम्मानित करते हुये वैद्य ठाकुर सिंह सोलंकी। छाया गजट

बोर्ड आफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 लखनऊ के मीडिया प्रभारी डा0 शिव कुमार पाल को सम्मानित करते हुये डा0 आर0 सी0 उपाध्याय

जनपद आयुर्वेद सम्मेलन हाथरस.....पेज 3 से आगे

हाथरस में आयोजित आयुर्वेदिक शिविर में मंच पर विराजमान क्रमशः बाये से दायें वैद्य निरंजन सिंह त्यागी (पूर्व सदस्य C.C.I.M.) बीच में डा0 एम0 एच0 इदरीसी (चेयरमैन बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 एवं सत्या बहन प्राचार्य – छाया गज़ट

हाथरस में आयोजित आयुर्वेदिक शिविर में मंचासीनडा0 एम0 एच0 इदरीसी (चेयरमैन बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया – छाया गज़ट